[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 374 **F** **Your Roll No.....**

प्रश्न पत्र का क्रमांक आपका अनुक्रमांक .....

यूनीक कोड : 205539

Name of the Paper : हिंदी-ए

पाठ्यक्रम का नाम : बी.ए. (प्रोग्राम)

सेमेस्टर : पंचम सेमेस्टर (V Semester)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

   इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (9+9=18)

(क) छोड़कर पार्थिव भोग-विभूति, प्रेयसी का दुर्लभ वह प्यार।

पिता का पक्ष भरा वात्सल्य, पुत्र का शैशव सुलभ दुलार।

दुःख का करके सत्य निदान, प्राणियों का करने उद्धार।

सुनाने आरण्यक संवाद, तथागत आया तेरे द्वार।

(i) प्रस्तुत अंश किस कविता से लिया गया है, इसके रचयिता का नाम भी लिखिए।

(ii) 'छोड़कर पार्थिव भोग विभूति' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iii) इन पंक्तियों में प्रयुक्त तत्सम शब्द छांटिए।

P.T.O.

(ख) यहाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है और जो नहीं जानते कि वें क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति-शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाजार को देते हैं। न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाज़ार का बाजारूपन बढ़ाते हैं।

(i) प्रस्तुत अंश किस पाठ से लिया गया है, इसके लेखक कौन है ?

(ii) बाज़ार के 'बाजारूपन' से लेखक का क्या तात्पर्य है ?

(iii) बाज़ार को सार्थकता कौन प्रदान करता है ?

(ग) इलाहाबाद का वास्तविक स्वप्न क्या है और उसका भावी स्वप्न क्या होगा, इसकी कोई भीतरी बेचैनी नहीं थी। इलाहाबाद कभी जलसाघर नहीं लगा। जलवा वहाँ तहखाने में था। आज जब इलाहाबाद का अतीत और लगभग युगान्त दोनों मुझे दीख रहे हैं, तब इलाहाबाद के दर्पण को ज्यादा साफ- शफ्फ़ाक देखा जा सकता है। उस समय हम अपने हाड़ माँस से यानी यथार्थ से, अपनी शताब्दी के अंत का अनुमान नहीं कर सकते थे। उस समय हम अपने वर्तमान में इस कदर डूबे हुए थे कि पता नहीं लगता था, मानव-जाति फल-फूल रही है या बूढ़ी हो रही है।

(i) प्रस्तुत अंश किस पाठ से लिया गया है और इसके लेखक का नाम क्या है ?

(ii) इलाहाबाद के स्वप्न से क्या तात्पर्य है ?

(iii) इलाहाबाद के संदर्भ में 'जलसाघर' और 'तहखाने' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (6 + 6 = 12)

(i) 'मुझे कदम कदम पर' कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'मैं हार गई' कहानी का उद्देश्य लिखिए ।

(iii) 'पर्दा उठाओ पर्दा गिराओ' एकांकी का कथ्य स्पष्ट कीजिए ।

(iv) 'गहरी नींद के सपनों में बनता हुआ देश' का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (5 + 5 + 5 = 15)

(i) भाषा की परिभाषा देते हुए उसके लक्षण स्पष्ट कीजिए ।

(ii) व्यक्ति और समाज के संदर्भ में भाषा की उपयोगिता लिखिए ।

(iii) भाषा की संरचना पर प्रकाश डालिए ।

(iv) 'भाषा बहता नीर' कथन पर विचार कीजिए ।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) 'भाषा एक सामाजिक व्यवस्था है' स्पष्ट कीजिए । (8)

अथवा

भाषा प्रयोग के विविध स्तर समझाइए ।

(ii) औपचारिक और अनौपचारिक भाषा का अंतर स्पष्ट कीजिए । (7)

5. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (5 + 5 + 5 = 15)

(i) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** के तद्भव रूप लिखिए :

वाणी, अग्नि, लक्षण, कर्म, ताम्र, अश्रु ।

(ii) व्यंजक और व्यंग्यार्थ शब्दों पर प्रकाश डालिए ।

(iii) निम्नलिखित शब्दों में से पाँच का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उसका अर्थ स्पष्ट हो जाए :

विजेता, जत्था, मिशन, डाक्टर, प्रतिबिंब, घृणा, विराग

(iv) किन्हीं पाँच अनेकार्थी शब्दों के दो–दो अर्थ स्पष्ट कीजिए :

मित्र, अपर, इन्दु, तीर, कमल, रोशनी, संचय